P-303

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-503

भारतीय दर्शन भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

1st Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. आवरण और विक्षेप शक्ति की समीक्षा कीजिए।

2. मध्व के अनुसार मोक्ष के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

3. प्रकृति पुरुष के सम्बन्ध और सृष्टि प्रक्रिया का निरूपण कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

(क) दुखः त्रयाभिधाताज्जिज्ञासा तदपधातके हैतौ।
दृष्टे साऽपार्था चेन्नैकान्तात्यन्तोऽभावात्।।

(ख) मूलप्रकृतिरविकृर्तिमहदाद्याः प्रकृतिविकृतयः सप्त
षोऽशकस्तु विकारो न प्रकृतिर्न विकृतिः पुरुषः।

(ग) सामान्यतस्तुदृष्टादइन्द्रियाणां प्रतीतिरनुमानात्।
तस्मादपि चासिद्धम् परोक्षमाप्तागमात् सिद्धम्।।

5. वेदान्त दर्शन की आचार्य परम्परा पर एक निबन्ध लिखिए।

अथवा

द्वैतवाद दर्शन के आधार पर ज्ञानमीमांसा का विवेचन कीजिए।

(खण्ड-ख)
(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. अधिकारी के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

2. बन्धन तथा मोक्ष से क्या तात्पर्य है?

3. सांख्याभिमत प्रमाणों का निरूपण कीजिए।

4. निम्बार्क के अनुसार ज्ञान के साधन प्रमाणों।

5. सत्कार्यवाद सिद्धान्त को समझाइए।

6. रामानुज के अनुसार विशिष्टाद्वैत को स्पष्ट करें।

7. वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी 'आवरणशक्ति' पर प्रकाश डालिए।

8. शंकराचार्य का परिचय प्रस्तुत कीजिए।